3. संस्कृत नाट्यशास्त्र के अनुसार लोकधर्मी अथवा नाट्यधर्मी अभिनय विधा पर प्रकाश डालिए। (10)

Throw light on Lokdharmi Abhinay Or Natyadharmi Abhinay according to Sanskrit Natyashastra.

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4808 **H**

Unique Paper Code : 2136000003

Name of the Paper : Acting Skill in Sanskrit Dramaturgy

Name of the Course : **Common Prog. Group : SEC**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 30

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. संस्कृत नाटकों के सम्बन्ध में प्रयोक्तागण से क्या अभिप्राय है, किन्हीं दो प्रयोक्ताओं की विशेषताएं बताइए । (10)

What do you understand by Natya Prayokta Gana ie. Member of the theatrical group, also describe the characteristics of any two of them according to Sanskrit dramas.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रयोक्ताओं पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes any **two** Prayoktas given below :

(क) सूत्रधार

(Sutradhara)

(ख) नट

(Nata)

(ग) कुशीलव

(Kushilava)

(घ) भरत

(Bharata)

2. संस्कृत नाट्य परम्परानुसार प्रमुख चार अभिनय प्रकारों की विवेचना कीजिए । (10)

Discuss the main four types of acting mentioned in Sanskrit drama traditions.

अथवा / Or

अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के आधार पर आंगिक एवं वाचिक अभिनय के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

Throw light on the Angik Abhinay and Vachik Abhinay types based on Abhigyanshakuntam.